

झारखंड के गरिधारी राम गोंझू को पद्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

25 जनवरी, 2022 को 73वें गणतंत्र दविस के अवसर पर राष्ट्रपति ने वर्ष 2022 के लिये 128 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की, जसिमें झारखंड के गरिधारी राम गोंझू पद्मश्री के लिये चुने गए हैं।

प्रमुख बदि

- झारखंड के प्रख्यात साहित्यकार, शकिषावदि एवं संस्कृतकिरमी डॉ. गरिधारी राम गोंझू को मरणोपरांत साहित्य एवं शकिषा के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान दया जाणा।
- डॉ. गोंझू हनिदी और नागपुरी भाषा के जानकार थे तथा राँची विश्वविद्यालय के जनजातीय भाषा वभिाग में प्राध्यापक रह चुके थे।
- सरल व मलिनसार स्वभाव वाले डॉ. गोंझू प्रभात खबर समाचार-पत्र द्वारा प्रकाशति माय माटी के नयिमति लेखक भी रहे थे।
- पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरकि सम्मान है, जिन्हें तीन श्रेणयिों में प्रदान कया जाता है। इन तीन श्रेणयिों में पद्म वभिूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री शामिल हैं। असाधारण और वशिषिट सेवा के लिये 'पद्मवभिूषण', उच्च कोटि की वशिषिट सेवा के लिये 'पद्मभूषण' और कसिी भी क्षेत्र में वशिषिट सेवा के लिये 'पद्मश्री' पुरस्कार प्रदान कया जाता है।
- ये पुरस्कार वभिन्नि वभिषिों/क्षेत्रों अरथात् कला, सामाजकि कार्य, सार्वजनकि मामले, वजिज्ञान व इंजीनयिरगि, व्यापार एवं उद्योग, चकित्सिा, साहित्य व शकिषा, खेल, सविलि सेवा, इत्यादि में प्रदान कये जाते हैं।
- इन पुरस्कारों की घोषणा राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष 'गणतंत्र दविस' के अवसर पर की जाती है तथा आमतौर पर मार्च/अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में आयोजति कये जाने वाले औपचारकि समारोहों में प्रदान कये जाते हैं।
- इस वर्ष राष्ट्रपति ने 128 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है, जिनिमें 2 जोड़ी पुरस्कार (कसिी जोड़ी को दये पुरस्कार की गणना एक पुरस्कार के रूप में की जाती है) भी शामिल हैं। इस सूची में 4 पद्मवभिूषण, 17 पद्मभूषण और 107 पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।
- पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 34 महलियाँ हैं और इस सूची में 10 व्यक्ती वदिशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई श्रेणी के अंतरगत हैं तथा 13 व्यक्तयिों को मरणोपरांत पुरस्कार दया गया है।